卐 जय श्री माताजी 卐

- कृषक का नाम : नरेश कुमार साहू
- पता : ग्राम पारोलिया, तहसील छबड़ा, जिला बाराँ (राजस्थान)
- व्यवसाय : कृषि एवं पशुपालन
- आयु : 36 वर्ष
- खेती : 3 बीघा
- फसल : गेहूँ एवं अन्य सब्जियाँ
- मोबाइल नं. : 90792–38021
- सहजयोग में आरम्भ : वर्ष 2016 से

जय श्री माताजी, मैनें सन् 2016 में श्रीमान रामदयाल जी से जो कि छबड़ा, बारां (राजस्थान) के निवासी है, सहजयोग के बारे में समझा और वही पर आत्मसाक्षात्कार प्राप्त किया। आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने के बाद से ही मेरी सभी गलत आदतें (तम्बाकू , धुम्रपान, व्यसन इत्यादि) श्री माताजी की असीम कृपा से छूट गई। उसके बाद आज तक मैनें इसके हाथ नही लगाया। मेरा पूरा परिवार, मेरे अन्दर हुये इस आश्चर्यजनक परिवर्तन को देखकर सहजयोग में जुड गया। धीरे–धीरे मुझे सहज कृषि के विषय में पता चला तो मैं भी सहज कृषि करने लगा। सहज कृषि से पहले मुझे गेहूँ की फसल प्रति बीघा 8 से 9 विक्ंटल हुआ करती थी परन्तु सहज पद्धति से वहीं फसल बढ़कर 14 से 15 विक्ंटल तक पहुँच गई है।

इससे प्रेरित होकर मैनें सब्जियों की खेती भी शुरू करी तो मेरे खेत में पत्तागोभी भी काफी बड़ी साइज की आने लगी जिसे देखकर आस–पास के किसान भी देखकर आश्चर्य चकित रह गये। अब मेरा पूरा जीवन सहजयोग में ही समर्पित है।

!! जय श्री माताजी !!

- ❖ कृषक का नाम : छोटू लाल सुमन
- ❖ पता : ग्राम अर्जुनपुरा, तहसील लाडपुरा, जिला कोटा (राजस्थान)
- ❖ व्यवसाय : कृषि एवं पशुपालन
- ❖ आयु : 60 वर्ष
- ❖ खेती : 4 बीघा
- ❖ फसल : आलू , बैगन, चावल एवं अन्य सब्जियाँ ।
- ❖ मोबाइल नं. : 91166–04049
- ❖ सहजयोग में आरम्भ : वर्ष 2018 से

जय श्री माताजी, वर्ष 2018 में कोटा के सहजयोगी गाँव में आकर ध्यान एवं आत्मसाक्षात्कार का कार्यक्रम करने लगे वहाँ पर मैंने सर्वप्रथम आत्मसाक्षात्कार प्राप्त किया और धीरे धीरे ध्यान की तरफ मेरी रूचि बढ़ती चली गई। आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने के उपरान्त मेरे अन्दर काफी परिवर्तन होने लगे।

सहजयोग में आने से पूर्व मैं और मेरी पत्नी हर महिने डॉक्टर के पास जाते रहते थे। मुझे Prostate की समस्या थी एवं मेरी पत्नी का भी B.P. एवं Sugar की समस्या थी जो अब धीरे–धीरे ठीक होने लग गयी। अब हम किसी भी डॉक्टर के पास नहीं जाते और श्री माता जी की कृपा से हम स्वस्थ रहते है।

इसी बीच कोटा के सहजयोगी भाईयों ने मुझे सहज कृषि के बारे में जानकारी दी तो मैनें भी पूर्ण उत्साह से सहजकृषि करेन की ठान ली। मैने सहज पद्धति से 2018 में पहली बार खेती करी। सर्वप्रथम मैने मेरे 4 बीघा खेत में आलू की फसल करी तो मैने देखा पहले 4 बीधा खेत में आलू 200 से 250 विक्ंटल होते थे परन्तु श्री माताजी की कृपा से इस वर्ष 400 विक्ंटल तक पैदावार पहुँच गई और आलू की साइज भी काफी बड़ी थी, जिसे देखकर पूरा गाँव हतप्रभ रह गया। मेरा उत्साह और बढ़ा, मैनें 2018 में 4 बीधा खेत में बैगन की फसल करी। बैगन की फसल इतनी अधिक हुई कि हमारा पूरा परिवार मिलकर भी एक दिन में पूरे बैंगन नही तोड पाता था। हर साल उस खेती से हम 1½ से 2 लाख रूपये की आमदनी प्राप्त करते थे। परन्तु इस वर्ष हमने इस फसल से 5 लाख रूपये प्राप्त किये।

मैं अपनी सभी भाई–बहिनों से यही कहना चाहता हूँ कि माँ कि कृपा को पूरे विश्व में फैलाये। सहज योग और सहज कृषि को बढ़ावें।

!! जय श्री माताजी !!

- ❖ कृषक का नाम : बनवारी लाल
- ❖ पता : ग्राम इकलेरा, जिला बारां (राजस्थान)
- ❖ व्यवसाय : कृषि एवं पशुपालन
- ❖ आयु : 35 वर्ष
- ❖ खेती : 4 बीघा
- ❖ फसल : सोयाबीन, लहसुन
- ❖ मोबाइल नं. : 99283–92412
- ❖ सहजयोग में आरम्भ : वर्ष 2017 से

जय श्री माताजी, वर्ष 2017 में सहजयोग में ध्यान एवं सहज कृषि की शुरूवात करी। मेरी बेटी स्कूल जाती थी वहाँ पर अध्यापक श्री विष्णु जी शर्मा ने मेरे बेटियों को सहजयोग के बारे में जानकारी दी। उसके अन्दर परिवर्तन देखकर हम भी सहजयोग को समझने लगे तभी वहाँ के कुछ सहजयोगियों ने मेरे खेत पर सहजकृषि करने की इच्छा प्रकट करी। मै बहुत खुश हुआ, मैनें उत्साह से इस वर्ष सहज पद्धति से कृषि करने की ठानी ली।

हमने सहजयोग पद्धति से माँ की कृपा से मेरे खेत पर नारियल स्थापित किया एवं बारां के सहजयोगी भाई एवं बहन हर सप्ताह (शुक्रवार) को ध्यान करने आने लगे। मैने उस 4 बीघा खेत पर सोयाबीन की फसल बोई थी। मैने देखा की उस खेत में पहले हर साल 1½ बीधा की फसल गल जाया करती थी और मात्रा 2½ की फसल ही बच पाती थी।

परन्तु इस वर्ष बड़े ही आश्चर्य की बात रही कि मैने पूरे 4 बीघा में सोयाबीन की फसल प्राप्त करी। ये सब श्री माताजी की कृपा थी। फिर मैने लहसुन की फसल करने की ठानी परन्तु बारां के सहजयोगियों ने मुझे लहसुन की फसल करने की मना कर दी उन्होने इस बात को वाइब्रेशन के आधार पर कहा था परन्तु मैने उनकी बात नहीं मानी और मैने लहसुन की ही फसल करी। बारां से आने वाले सहजयोगी भाई–बहन फिर भी हर सप्ताह मेरे यहाँ ध्यान करने आते थे मैं और मेरा परिवार भी ध्यान करने लग गया और प्रसन्न रहने लगा।

लहसुन की फसल तो अच्छी हुई परन्तु उस वर्ष लहसुन के भाव जमीन पर आ गिरे । जिससे मुझे काफी नुकसान सहना पड़ा। तब से मैं समझ गया कि माँ की बात नही मानने से ही ऐसा हुआ है।

!! जय श्री माताजी !!

- ❖ कृषक का नाम : नाथूलाल
- ❖ पता : ग्राम इकलेरा, जिला बारां (राजस्थान)
- ❖ व्यवसाय : कृषि एवं पशुपालन
- ❖ आयु : 40 वर्ष
- ❖ फसल : सोयाबीन, सरसों
- ❖ मोबाइल नं. :
- ❖ सहजयोग में आरम्भ : वर्ष 2017 से

जय श्री माताजी,मैनें वर्ष 2017 में सहजयोग में ध्यान एवं सहज कृषि की शुरूवात करी। मेरी बेटियाँ स्कूल जाती थी वहाँ उन्होने आत्मसाक्षात्कार प्राप्त किया। उन्हें देखकर हम भी सहजयोगा में ध्यान करने लगे।

तभी बारां के सहजयोगियों ने मेरे खेत पर सहजकृषि करने का प्रस्ताव दिया। मैने भी उत्साहपूर्व प्रस्ताव स्वीकार किया। सहजयोगी भाई एवं बहन हर सप्ताह मेरे खेत पर ध्यान करने आने लगे। मैं और मेरा परिवार प्रसन्न रहने लगा।

सर्वप्रथम मैने 4 बीघा खेती पर सोयाबीन की फसल बोई और सहज पद्धति से सोयाबीन की फसल करने लगा। श्री माताजी की कृपा से सोयाबीन बम्पर पैदावार प्राप्त हुई। जहाँ 10 विक्ंटल फसल मैं हर वर्ष प्राप्त करता था वहीं इस वर्ष मुझे 16 विंक्टल फसल प्राप्त हुई जबकि मेरे पडौसी के 4 बीघा खेत में मात्रा 6 विंक्टल सोयाबीन की फसल हुई। ये देखकर पूरे ग्राम वाले आश्चर्य चकित हो गये।

!! जय श्री माताजी !!